

चीन और भूटान के बीच सीमा विवाद पर चर्चा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीनी उप वदिशमंत्रि की दो दविसीय भूटान यात्रा के दौरान चीन और भूटान ने अपने सीमा विवादों पर चर्चा की और कई समझौतों पर सहमत वियक्त की ।

परमुख बदि

- चीन ने भूटान को अपनी महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड परयोजना (बीआरआई) के लयि भी आमंत्रति कयि ।
- चीन और भूटान के मध्य राजनयकि संबंघ नहीं हैं कतिु दोनों देश अपने अधकिारयिों की आवधकि यात्राओं के माध्यम से संपर्क बनाए रखते हैं ।
- पछिले साल भारत के साथ हुए डोकलाम सैन्य वविाद के बाद यह पहली बार है जब एक वरषि्ट चीनी अधकिारी ने थमिपू का दौरा कयि ।
- चीन ने इस यात्रा के संबंघ में कहा कदिनों पक्षों को सीमा वारता आगे बढ़ाने के लयि परयास जारी रखना चाहयि, सर्वसम्मति से तय कयि गए सदिधांतों का पालन करना चाहयि, सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त रूप से शांति और धैर्य बनाए रखना चाहयि और दोनों देशों के बीच सीमा संबंघति मुद्दे के अंतमि नपिटारे के लयि सकारात्मक स्थतिथिों पैदा करनी चाहयि ।

डोकलाम वविाद

- डोकलाम भूटान और चीन के बीच वविादति क्षेत्र है, भारत का कहना है कयिह क्षेत्र भूटान का है । चीनी सैनकि इस क्षेत्र में अक्सर घुस आते हैं, जसिसे भारत के रणनीतकि हति प्रभावति होते हैं ।
- डोकलाम में स्थति ट्राईजंक्शन वह बदि है, जहाँ भारत (सकिक्मि), भूटान और चीन (तबिबत) की सीमाएँ मलति हैं । यह ट्राईजंक्शन ही इस वविाद की जड़ है । भारत दावा करता है कयिह क्षेत्र बटांग ला है, जबकि चीन का दावा है कयिह दक्षणि में 6.5 कमी. दूर जमिोचन में है ।
- दोनों के दावे बरटिन और चीन के बीच 1890 में हुई कलकत्ता संधि की प्रतसिपर्द्धात्मक व्याख्याओं पर आधारति हैं । 2012 में भारत और चीन के वशिष प्रतनिधिथिों के बीच हुए समझौते के अनुसार, दोनों पक्ष तब तक यथास्थति बनाए रखेंगे, जब तक उनके प्रतसिपर्द्धी दावे को तीसरे पक्ष (भूटान) से परामर्श कर सुलझा नहीं लयिा जाता ।